Global Journal of Emerging Trend in Education and Social Science
Vol. 4, Issue 2 – 2021
ISSN: 2582-1377

कक्षा आठवीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन

Mr. Domar Yadaw[1], Mrs. Pratibha Verma[1]

[1]Asst. Prof., Gracious College of Education Abhanpur, Raipur(CG).

भूमिका

किशोरावस्था में किशोर की आयु जैसे-जैसे बढ़ती जाती है वैसे-वैसे उसे सामजिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अधिक अवसर प्राप्त होने लगते है फलस्वरूप उसमें सामाजिक सूझ की मात्रा बढ़ जाती है तथा यह सामाजिक परिस्थितियों एवं समाज के लोगों का प्रत्यक्षीकरण अधिक अच्छे ढंग से करने लग जाता है। आयु बढ़ने लगती है और उनमें पर्याप्त मात्रा में सामाजिक समायोजन की मात्रा भी बढने लगती है। और उनमें पर्याप्त मात्रा में सामाजिक परिपक्वता आ जाती है। यह सामाजिक प्रत्याशाओं के अनुसार व्यवहार करने लगता है। उसमें उत्तरदायित्व की पर्याप्त भावना आ जाता हैं । वह सामाजिक अनुरूपता स्थापित करने लगता है। सामाजिक परिपक्वता के कारण वह बिना पक्षपात के दूसरे लोगों के साथ अच्छा समायोजन बनाने में सफल होता है।

समस्या

एकोप महोदय के अनुसार: ‘‘समस्या एक ऐसा प्रश्नवाचक कथन है जिसमें एक समस्या के समाधान को प्रस्तावित किया जाता है।‘‘

अध्ययन का उद्देश्य

1. शासकीय विद्यालय के कक्षा आठवीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. अशासकीय विद्यालय के कक्षा आठवीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.

Global Journal of Emerging Trend in Education and Social Science
Vol. 4, Issue 2 – 2021
ISSN: 2582-1377

3. शासकीय व अशासकीय विद्यालय के कक्षा आठवीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना का निर्माण

o_{H1}- शासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

o_{H2}- अशासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

o_{H3}- शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

न्यादर्श

"एक प्रतिदर्श जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है कि एक वृहद समूह का तुलनात्मक रूप से लघु प्रतिनिधि है।"

न्यादर्श प्रारूप

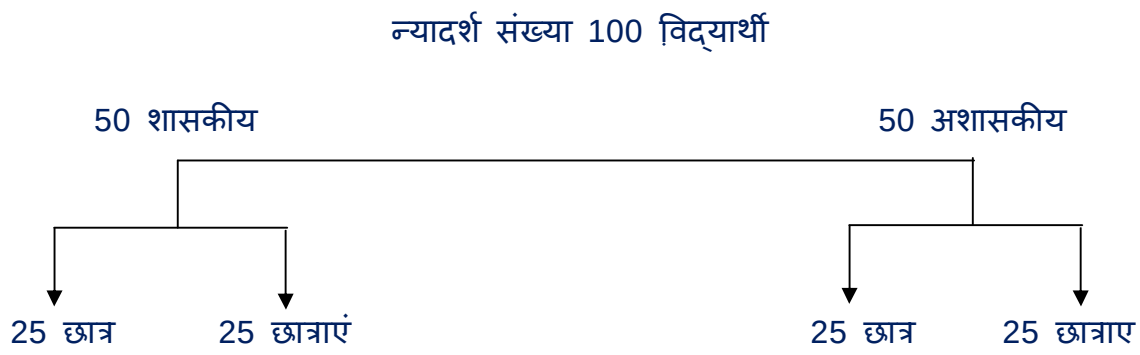

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.

क्र.	स्कूल का नाम	क्षेत्र	बालक	बालिका	योग
1.	Govt. M. School. Pt. RSU Parishar Raipur (CG)	शासकीय	12	13	25
2.	Govt. G.H. School KHO KHO PARA Raipur (CG)	शासकीय	13	12	25
3.	Panchjanya Vidyalay Kushalpur, Raipur (CG)	अशासकीय	12	13	25
4.	Shri Jagdish Kumar Dani H.S. School Puranibasti Raipur(CG)	अशासकीय	13	12	25
	महायोग		50	50	100

उपकरण

उपरोक्त आवश्यकताओं की पूर्ति को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता द्वारा प्रमाणीकृत उपकरण **सामाजिक प्रबुद्धता मापनी (RSM)** जो कि डॉ. नलिनी राव (1987) सेवा निवष्त प्राध्यापक शिक्षा विभाग बैंगलोर विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित है, का चयन किया गया है।

डॉ. नलिनी राव (1987) ने सामाजिक परिपक्वता मापनी का निर्माण किया इसमें विभिन्न 12 क्षेत्रों में कार्य किया गया है।

परिकल्पनाओं की पुष्टि

o_{H1}- शासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.

Global Journal of Emerging Trend in Education and Social Science
Vol. 4, Issue 2 – 2021
ISSN: 2582-1377

सारणी 4.1.शासकीस विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययरत बालक बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता का सांख्यिकीय विश्लेषण

क्र.	विद्यालय के प्रकार	प्रदत्तो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1	शासकीस विद्यालय (बालक)	25	71.25	29.98	1.30
2	शासकीस विद्यालय (बालिका)	25	67.04	15.07	

स्वतंत्रता की कोटि df =48, P< 0.05 सार्थक अंतर नही है।

उपयुक्त तालिका से स्पश्ट है कि शासकीस विद्यालय के बालको का मध्यमान 71.52 और प्रमाणिक विचलन 29.98 प्राप्त हुआ। उसी प्रकार शासकीस विद्यालय के बालिकाओं का मध्यमान 67.04 एवं प्रमाणिक विचलन 15.07 प्राप्त हुआ तथा दोनो समुहों का टी मूल्य का मान 1.30 प्राप्त हुआ जो कि स्वंतंत्रता की कोटि 48 के लिए 0.05 स्तर पर 2.01 है, यह परिणाम इस बात की पुष्टि करता है कि शासकीस विद्यालय के बालक एवं बालिकाओं के मध्य कोई सार्थक अंतर नही पाया जाता है। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत होता है।

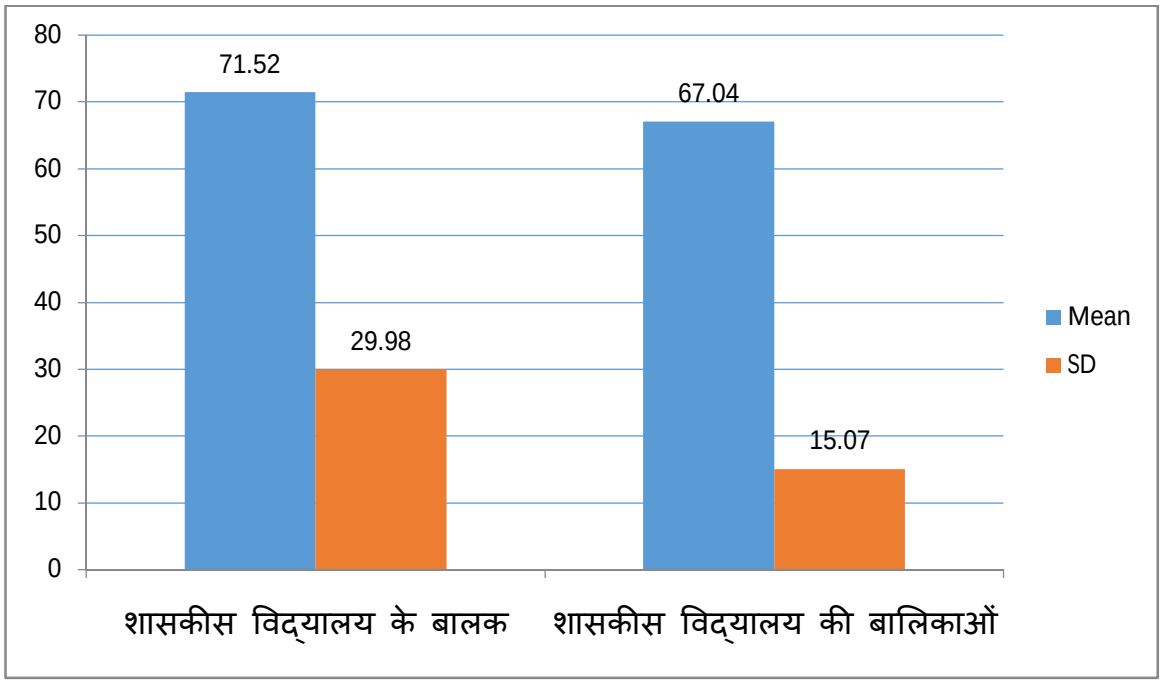

आकति 4.1 (a).शासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययरत बालक बालिकाओं की मध्यमान एवं मानक विचलन की आकृति तालिका

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.

Global Journal of Emerging Trend in Education and Social Science
Vol. 4, Issue 2 – 2021
ISSN: 2582-1377

o_{H2}- अशासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

सारणी 4.2.अशासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययरनत बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता का सांख्यिकीय विश्लेषण

क्र.	विद्यालय के प्रकार	प्रदत्तो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1	अशासकीय विद्यालय (बालक)	25	212	18.51	1.96
2	अशासकीय विद्यालय (बालिका)	25	210.77	22.17	

स्वतंत्रता की कोटि df = 48, P< 0.05 सार्थक अंतर नही है।

परिकल्पनाओं की पुष्टि

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट है कि अशासकीय विद्यालय के बालको का मध्यमान 212 एवं प्रमाणिक विचलन 18.51 प्राप्त हुआ।

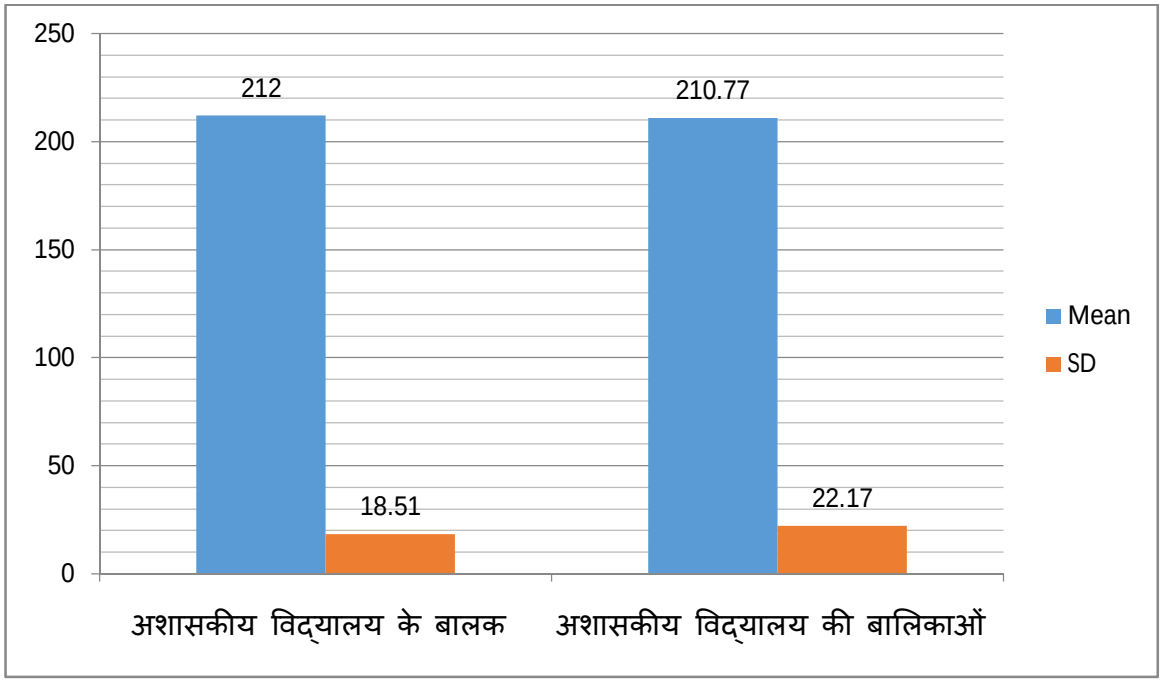

आकृति 4.2.अशासकीयविद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता का सांख्यिकीय विश्लेषण

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.

Global Journal of Emerging Trend in Education and Social Science
Vol. 4, Issue 2 – 2021
ISSN: 2582-1377

उसी प्रकार अशासकीय विद्यालय के बालिकाओं का मध्यमान 210.77 एवं प्रमाणिक विचलन 22.17 प्राप्त हुआ है। तथा दोनो समुहो का टी-मूल्य का मान 1.96 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता की कोटि 48 के लिए 0.05 स्तर पर 2.01 है। यह परिणाम इस बात की पुष्टि करता है कि अशासकीयविद्यालय के बालक एवं बालिकाओं के मध्य कोई सार्थक अंतर नही पाया जाता है। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

o_{H3}-शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

सारणी 4.3.शासकीय एवं अशासकीयविद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययरनत विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का सांख्यिकीय

क्र.	विद्यालय के प्रकार	प्रदत्तो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1	शासकीय विद्यालय (विद्यार्थी)	50	69.84	24.23	0.42
2	अशासकीय विद्यालय (विद्यार्थी)		50	67.56	23.04

स्वतंत्रता की कोटि df =98, P< 0.05 सार्थक अंतर नही है।

परिकल्पनाओं की पुष्टि

उपयुक्त तालिका से स्पश्ट है कि शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का मध्यमान 69.84 एवं प्रमाणिक विचलन 24.23 प्राप्त हुआ। उसी प्रकार अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का मध्यमान 67.56 एवं प्रमाणिक विचलन 23.04 प्राप्त हुआ है तथा दोनो समुहो का टी-मूल्य का मान 0.42 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता की कोटि 98 के लिए 0.05 स्तर पर 1.96 है। यह परिणाम इस बात की पुश्टि करता है कि षासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समाजिक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नही पाया जायेगा। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.

Global Journal of Emerging Trend in Education and Social Science
Vol. 4, Issue 2 – 2021
ISSN: 2582-1377

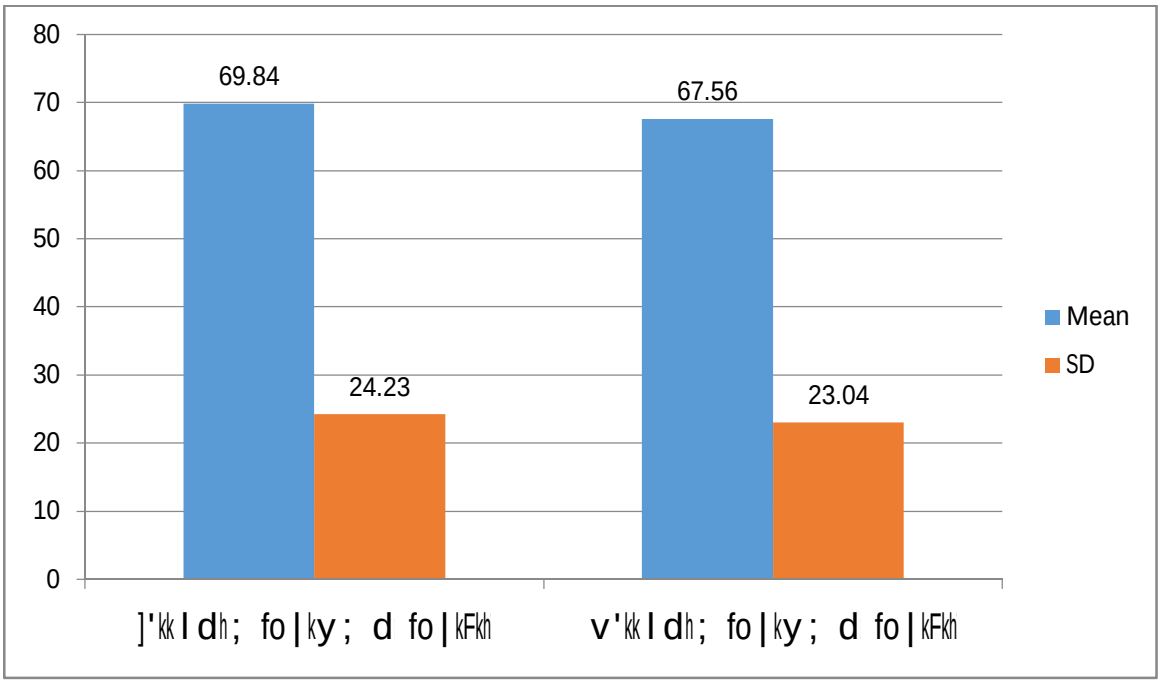

आकृति 4.3-शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के कक्षा आठवी में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का मध्यमान एवं मानक विचलन की आकृति तालिका

सुझाव

इस शोध प्रबंध में पाल्यों की सामाजिक परिपक्वता के विकास हेतु निम्न सुझाव व्यक्त किए जा सकते है।

1. माता-पिता, दादा-दादी, चाचा-चाची आदि समस्त पारिवारिक सदस्यों को बच्चों के लिए अनुकूलित वातावरण के निमार्ण हेतु हर संभव प्रयास व सहायता करनी चाहिए ताकि उनका उचित सामाजिक व नैतिक विकास हो सके।
2. परिवार ही नहीं, समाज को भी बालाकों के प्रति जिम्मेदारी उठाना चाहिए तथा उनके लिए ऐसे शैक्षिक वातावरण का निर्माण करना चाहिए जिससे बालक द्वारा प्राप्त की गयी शिक्षा बालक के संपूर्ण विकास में सहायक हो।
3. शिक्षा की संपूर्ण प्रक्रिया में पाठय सहगामी क्रियाओं का स्वस्थ व उचित समायोजन होना चाहिए ताकि बालकों में अतिरिक्त शक्ति, समायोजन, सष्जनात्मक क्षमता सामाजिक विकास को उचित दिशा दी जा सके।
4. परिवार व विद्यालयों में व्यक्तिगत व सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु दिशा निर्देशन की उचित व्यवस्था होना चाहिए।

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.

5. परिवार व विद्यालयों में बालकों को उनकी क्षमताओं के अनुरूपउ कुछ अतिरिक्त कार्य सौंपे जायें जिससे उनमें उत्तरदायित्व, समायेजन क्षमता आत्मविश्वास तथा नैतिकता आदि गुणों का वकास होगा तथा उनमें सामाजिक परिपक्वता उत्पन्न होगी।
6. शिक्षकों को ऐसी विधियों का चयन करना चाहिए जिससे उनमें साथ-साथ कार्य करने की प्रवष्त्त विकसित हो। जैसे प्रोजेक्ट विधि, वाद-विवाद, विधि विवेचना विधि, क्रियात्मक विधि आदि।

संदर्भ-ग्रंथ

1. अग्रवाल भार्गव (2004): मानव विकास का मनोविज्ञान, हरि प्रसाद भार्गव, आगरा, पृ.सं.177.
2. कपिल एच.के. (1984): अनुसंधान विधियॉ, हरि प्रसाद भार्गव, आगरा, पृ.सं.77-79.
3. सरीन एवं सरीन (2007) शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ विनोद पुस्तक मंदिर आगरा पृ.सं. (136-138).
4. कपिल एच.के. (1984): अनुसंधान विधियॉ, हरि प्रसाद भार्गव, आगरा, पष्ं, नं.77-79.
5. जैन प्रभा व पटेल अशिमाःए कम्परेटिव स्टडी ऑफ सोशल मेच्यूरिटी ऑफ वर्किंग एंड नॉन वर्किंग एंड नॉन वर्किंग वूमेन रिसेन्ट रिसर्चस इन एजुकेशनल एण्ड साइकोलॉजी वाज्यूम-8, नं. प्-प्प् पृ.सं.46.
6. शर्मा श्वेता एवं गिर सोफियाः सेक्स डिफरेन्स इन सोशल च्यूरिटी, (2006) साइकोलिंग्वा, वाल्यूम-36, नंत्र, 1, जनवरी पृ.सं.94.
7. पाठक, सी. एवं कुंवर, जी. (2018) किशोर एवं किशोर एवं किशोरियों में सामाजिक परिपक्वता एवं व्यवसायिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन, International journal of home scince 2018,4(3): 211_213,ISSN Number 2395-7476.
8. सिंह, रा (2011) उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों की सामिजक परिपक्वता, आत्मविश्वासऔर स्वास्थ्य की उनकी शैक्षिक निपुणता से संबंधित अध्ययन, यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय: शोधगंगा इनफ्लिबनेट, 2013 URI: http://hdl.handle.net/10603/9290.
9. Muahtaq S., Rani, G (2016) Effect of Social Maturtyand self concept on academic achievement of Secondry School Students of district Budgam

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.

(JTK) Mewar University ,Chhattisgarh Rajasthan India: Internationl Journal of Advanced educationand Reserch, ISSN: 2455-5746, Volule 1. Issue 8, August 2016 pageno. 13-18.

10. Choudhry p-2014 Gender and locality in ther Relationship to social Machurty of teens: A comparative analysis. Research Journal licensed on the basis of work 2014; 1(v)
11. Singh, H. Singh, M. (2015) Comparative study of social maturity between non & sports women and sports woman Journal for Globle Research Analysis 2015: 4: 6-10.
12. मुलियाए आर. डी (1991) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के संकाय लिंग एवं बुद्धि लब्धि के आधार पर उनके सामाजिक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन, द जनरल ऑफ एजुकेशन एण्ड साइकोलॉजी, 48 (34),145-155.
13. अस्थाना, ए. (1989) लखनऊ शहर में विद्यालयीन बच्चों की सामाजिक परिपक्वता का अध्ययन, फिप्थ सर्वे ऑफ एजुकेशन रिसर्च 1,92.

© Eureka Journals 2021. All Rights Reserved.